

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्  
शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)

जिला - रायगढ़

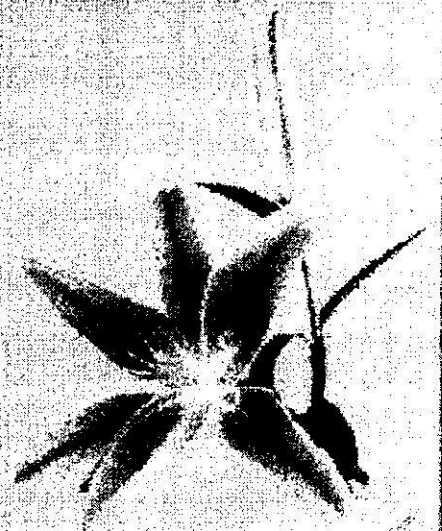
बोली - कुड़ख

बड़ी पुस्तक



# नाव चला

थरे गुटे बेगा, मुसा, चियां, चांटी  
अउ खत कीरा बुली बाहरीले ।





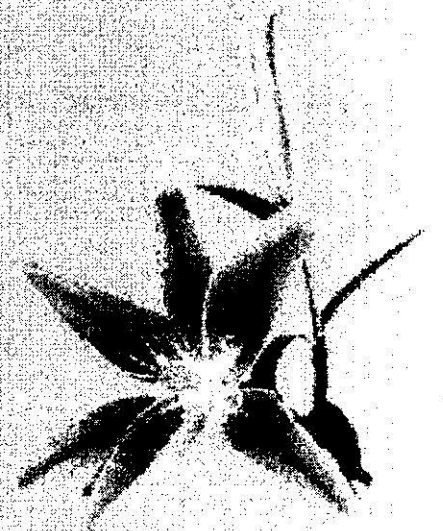
चालत-चालत छे माने बन तथा  
के पुरुचिले पायन देखुन झारु  
बेगा कहैला चाल अ तंअरिया ।  
एना कही कही बन के डेगी  
नेला तंअरी -तंअरी खिजाई  
लागला कि तये अंअरी ने ।

गानअ ।





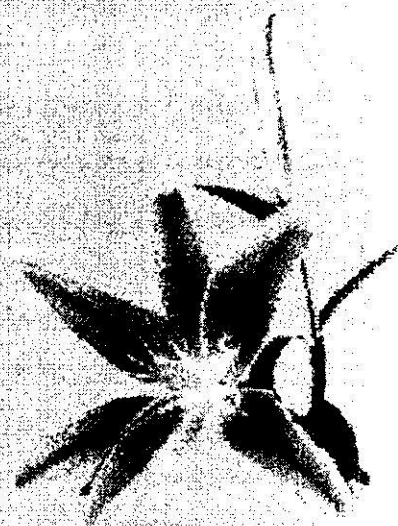
सबु सांग मानकुं बहुत खराब  
लागला से माने भी तंअरी बारे  
उपाय सुचले मुसा कहेला  
चालअ डंगा बनाया ।







सभे खुश हई गले अउ डंगा  
बनाबारे के जीनीस ठोल  
करी बसले ।





चियां गुंटे बड़ पतर आनला मूसा  
गुंटे माखन थिर खोल आनला  
चांटी सुएल आनला खतकीरा  
सुता आनला ।

